VS/SW/2025-26/Cir-001 Date: 1/4/2025

रोटी बैंक

प्रिय अभिभावक गण
नमस्कार!!!
'रोटी' माँ अन्नपूर्णा का साक्षात रूप और अप्रतिम उपहार है । जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता इस 'रोटी' को मिल – बाँट कर खाना ही माँ अन्नपूर्णा की सच्ची पूजा है ।
विवेकानंद विद्यालय दृढ़ता से मानता है कि एक सच्चा राष्ट्र भक्त सहानुभूति, जिम्मेदारी, विनम्रता और मजबूत नैतिक मूल्यों के साथ न केवल दूसरों के दर्द को महसूस करता है बल्कि उसे दूर करने में मदद करने के लिए प्रेरित भी करता है ।

सच्ची सहानुभूति और सकारात्मकता के जुनून के साथ विवेकानंद विद्यालय ने 'रोटी बैंक' नामक एक 'गैर लाभकारी खाद्य बचाव संगठन' के साथ मिलकर 'विवेकानंद रोटी बैंक परियोजना' की शुरुआत 2022 में की थी, आज इसे लगभग 2 साल हो चुके हैं । इस समय में सभी अभिभावकों ने एक साथ मिलकर असहाय लोगों को खाना प्रदान करने में बहुत मदद की है । इस परियोजना का उद्देश्य भूख और अतिरिक्त भोजन के बीच की खाई को भरने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को स्वथ्य और पौष्टिक भोजन प्रदान करना है । सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि आप अपनी सक्रिय भागीदारी से इसे आगे भी सफल बनाएँ । अभिभावक गण सप्ताह में चार दिन (Wednesday, Thursday, Friday, Saturday) एक अतिरिक्त भोजन भेजें, जिसमें सूखी सब्जी या अचार के साथ रोल की गई तीन चपातियाँ या दो भरवां पराठें Foil Paper में पैक कर के दें ।

कृपया ध्यान दीजिए कि 'विवेकानंद स्कूल रोटी बैंक' का मुख्य उद्देश्य सभी ज़रूरतमंदों को आदर और स्नेह के साथ भोजन खिलाना है । अत: भोजन भेजते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें –
- खाना बासी या खराब नहीं होना चाहिए ।
- किसी भी रसाव से बचने के लिए भोजन को उचित तरीके से पैक करें ।
- कृपया 'जंक फूड' जैसे चिप्स, चॉकलेट, बिस्कुट आदि न भेजें ।

प्रेम, देखभाल, गरिमा और धीरज के साथ हमेशा मौजूद 'खाद्य गरीबी' के मुद्दे को कम करने के लिए एक साथ हाथ मिलाएँ और एक चिंगारी बनें जो दूसरों के जीवन में एक लौ प्रज्वलित कर सके ।
हमारा उद्देश्य – 'अपने शहर में कोई भूखा ना रहे, कोई भूखा न सोए ।'
आपके सहयोग हेतु विवेकानंद परिवार हृदय से आभारी रहेगा ।
धन्यवाद

पूनम शर्मा
प्रधानाचार्या (कार्यवाहक)